संपादकीय

बिन परीक्षा पास और भविष्य की आस

इस समय हर बरस परीक्षा परिणामों के आने का मौसम होता था। जबकि इस बरस परीक्षा का होना ही नसीब नहीं हुआ है। अब कोरोना की मेहरबानियों की बदौलत बिना परीक्षा के ही परिणाम देखने को मिलेंगे। मार्च-अप्रैल में 12वीं बोर्ड परीक्षा से मुक्त हो जाने वाले बच्चे मई-जून तक परीक्षा होगी या नहीं होगी, की आशंका के साथ पढ़ाई करते रहे और परिणाम परीक्षा रद्द होने के सामने आ गए। बच्चों के माता-पिता अगले साल स्कूल, कोचिंग की फीस भरें या रहने दें, इस सवाल को लेकर परेशान हो रहे हैं। वही 99.9 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले टॉपर संग इंटरव्यू करने को बेकरार रहने वाले न्यूज एंकर का दिल ही टूट गया है। वैसे भी साल में उन्हें एक ही दिन ऐसा मिलता था जब वे पढ़ाई में अव्वल आने वाले बच्चों से बात कर पाते थे। वरना बाकी दिनों में होने वाली डिबेट में भाग लेने वालों की भाषा सुनकर तो उनकी प्राथमिक शिक्षा पर ही संदेह होने लगता है। परीक्षा रद्द करने के इस निर्णय से वे बच्चे दुखी हैं, जिनके माता-पिता ने 'बेटा 12वीं की परीक्षा हो जाए, फिर आईफोन दिला देंगे' बोला था। छोटू तो इस बात से मायूस है कि वीडियो गेम खेलने के साथ-साथ पढ़ाई करने में उसने वीडियो गेम के साथ कितना अन्याय कर दिया। इतना ही नहीं, प्रिंटिंग प्रेस वाले कोचिंग संस्थानों के साथ मिले सुर मेरा तुम्हारा गाते नजर आ रहे हैं। अबकी बार होर्डिंग्स पर किसकी तस्वीर लगाएंगे, यह संकट आन पड़ा है। टॉपर्स का सैलाब लाने वाले संस्थान परीक्षा रद्द होने से होर्डिंग्स के लिए बंदों को तरस गए हैं। वे चाहें तो नेताओं की तस्वीरों का उपयोग कर इस परंपरा को खंडित होने से बचा ही सकते हैं। वैसे देखा जाए तो हमसे कुछ समय पहले एक बड़ी चूक हो गई, हम चुनाव का नाम बोर्ड परीक्षा करना भूल गए। यदि हम नाम बदल देते तो एक बड़ी भूल सुधर जाती और एक बड़ी समस्या भी टल जाती। खैर! चुनाव के परिणामों ने तब की भूल को अब सुधारने का मौका दिया है। सरकार चुनाव में फेल हो गई और बच्चे परीक्षा में पास हो गए। अब बच्चे तो मन के सच्चे होते हैं, 11वीं वाले बच्चों ने अब यह दुआ मांग ली कि उनकी 12वीं भी ऐसी ही निकले, तो क्या होगा? इतना तो तय है कि हर साल परीक्षा से पहले बच्चे परीक्षा पर चर्चा की मांग जरूर करेंगे। यदि हमारे जमाने में भी 12वीं की परीक्षा इसी तरह रद्द हुआ करती तो सिर्फ इतना सा अंतर होता कि आज हम परीक्षा पास करके नौकरी तलाश रहे हैं, तब बिना परीक्षा दिए ही काम के लिए भटक रहे होते। अब माता-पिता को अपने लाल की आगे की पढ़ाई की चिंता सता रही है। उनका लाल अब पढ़ाई का क्या करेगा? पढ़ाई का तो पता नहीं लेकिन यू-ट्यूब पर पीएम के हर वीडियो को लाइक जरूर करेगा। बोर्ड परीक्षाओं को रद्द करके सरकार ने पेड़ों को कटने से भी बचा लिया है। परीक्षाओं के रद्द होने में पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी छिपा हुआ है।

-सौरभ जैन

स्वदेशी कोविड -19 स्व-परीक्षण कोविफाइंड को मिली आईसीएमआर की मंजूरी

नई दिल्ली। गुजरात के वापी स्थित ग्लोबल मेडटेक कंपनी, मेरिल ने आज घोषणा की है कि कोविड-19 के लिए स्वयं उपयोग में लाए जाने वाले रैपिड एंटीजन टेस्ट को भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) से मंजूरी मिल गई है। कंपनी ने आज यहां जारी बयान में कहा कि यह स्वदेशी रूप से विकसित परीक्षण संक्रामक व्यक्तियों में सार्स-कॉव-2 वायरस का सटीक ढंग से पता लगा सकता है और इसलिए इसका उपयोग रोगसूचक व्यक्तियों और पुष्टि किए गए कोरोना वायरस मामलों के तत्काल संपर्कों के परीक्षण के

लिए किया जा सकता है। यह आईसीएमआर के हाल के दिशानिर्देशों के अनुरूप है। मेरिल के घरेलू उपयोग वाले रैपिड एंटीजन परीक्षण, कोविड-19 परीक्षण करेंगे और साथ ही राष्ट्र को कोविड -19 के प्रसार को रोकने के लिए लगातार जांच की बढ़ी हुई मांग को पूरा करने में भी मदद करेंगे। उच्च गुणवत्ता वाले रैपिड एंटीजन परीक्षण के प्रावधान से पहले पहुंच से बाहर या कम सुविधा वाले क्षेत्रों में भी स्क्रीनिंग तक पहुंच संभव हो सकेगी।

पर स्व-परीक्षण के लिए कोविफाइंड परीक्षण मध्यम से उच्च वायरल लोड वाले व्यक्तियों में अत्यधिक प्रभावी है। यह खासकर उन व्यक्तियों के मामले में संक्रमण का पता लगाने में मददगार होगा, जो दूसरों को बीमारी प्रसारित करने की अधिक आशंका रखते हैं। अलगाव सुनिश्चित करने, तत्काल संपर्कों का पता लगाने और यदि आवश्यक हो तो उपचार सुनिश्चित करने के लिए मामलों का शीघ्र पता लगाना महत्वपूर्ण है। परीक्षण भी तेजी से परिणाम देता है। यह केवल 15 मिनट में सटीक परिणाम प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त, परीक्षण में किसी खास तरह के भंडारण या प्रशीतन की आवश्यकता नहीं होती है, इस प्रकार वितरण आसान और सुविधाजनक होता है।

परीक्षण की कीमत 250 रुपये है और इसे 3, 5 और 25 परीक्षणों के पैक के विकल्पों के साथ-साथ सिंगल-पैक के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक परीक्षण किट में एक परीक्षण उपकरण, एक नेजल स्वाब और एक पहले से भरी हुई बफर ट्यूब सहित परीक्षण सामग्री रहती है। इसके अलावा कोई अतिरिक्त उपकरण जरूरी नहीं है। किट में उपयोग के लिए निर्देश (आईएफयू) पत्रक भी होगा, जिसमें एक डिस्पोजेबल बैग के साथ परीक्षण के प्रशासन, संचालन और उपयोग के बाद के निपटान प्रक्रिया का चरणबद्ध विवरण होगा। परीक्षण के उपयोग के बाद, नाक के स्वाब को प्रदान की गई लाइसिस बफर ट्यूब में डाला जाता है, जो सार्स-कॉव-2 और अन्य वायरस को निष्क्रिय कर देता है। इसके बाद ट्यूब और अन्य परीक्षण सामग्री को उपलब्ध कराए गए डिस्पोजेबल बैग में रखा जाना चाहिए, जो सुरक्षित निपटान सुनिश्चित करने के लिए उच्च स्तर की जैव सुरक्षा प्रदान करता है।

अजय पुरी बने सीओएआई के अध्यक्ष

नई दिल्ली। भारती एयरटेल के भारत और दक्षिण एशिया के मुख्य परिचालन अधिकारी अजय पुरी टेलीकॉम, इंटरनेट, टेक्नॉलॉजी एवं डिजिटल सर्विसेस कंपनियों का प्रतिनिधित्व करने वाले संगठन सीओएआई के चालू वित्त वर्ष के अध्यक्ष चुने गए हैं। सीओएआई की वार्षिक आम बैठक में यह चयन किया गया है। इसके साथ ही रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड अध्यक्ष प्रमोद कुमार मित्तल संगठन के उपाध्यक्ष बने है।

पुरी 2004 से भारती एयरटेल के साथ है और वो डायरेक्टर - मार्केट ऑपरेशंस एवं डायरेक्टर व सीईओ - डीटीएच सहित अनेक नेतृत्वकारी पदों पर काम कर चुके हैं। भारती एयरटेल से जुड़ने से पहले श्री पुरी कारगिल फूड्स इंडिया में बिज़नेस हेड - फूड्स के रूप में काम कर चुके हैं। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (यूके) की सहयोगी कंपनी, वीएसटी इंडिया लिमिटेड के साथ की। मित्तल को टेलीकम्युनिकेशंस उद्योग में 42 सालों का संपन्न अनुभव है। भारत के सबसे बड़े टेलीकॉम ऑपरेटर, रिलायंस जियो इन्फोकॉम लिमिटेड के अध्यक्ष बनने से पहले श्री मित्तल ने 37 सालों तक दूर संचार विभाग में काम किया था।

एटीएम से कैश निकालने पर फ्री लिमिट के बाद अब देना होगा ज्यादा चार्ज

नई दिल्ली। तय सीमा के बाद एटीएम ट्रांजेक्शन के लिए अब लोगों को अपनी जेबें और ढीली करनी पड़ेगी। गौर हो कि एटीएम से कैश निकालने के लिए पहले 20 रुपये प्रति ट्रांजैक्शन देना होता था। अब यह रकम बढ़कर 21 रुपये प्रति ट्रांजैक्शन हो गया है। हालांकि, यह चार्ज केवल उन्हीं ग्राहकों को देना होगा, जो हर महीने की तय लिमिट से अधिक बार कैश निकालते हैं। भारतीय रिज़र्व बैंक ने सभी बैंकों को एटीएम विड्रॉल चार्ज बढ़ाने की अनुमति दे दी है। अब 1 जनवरी, 2022 से एटीएम से तय लिमिट से ज्यादा बार पैसे निकालने के बाद पर ग्राहकों को हर ट्रांजेश्कन

पर 20 रुपये के बजाए 21 रुपये देने होंगे। हालांकि, आरबीआई ने कहा कि ग्राहकों के लिए हर महीने अपने बैंक एटीएम से से पांच फ्री ट्रांजेक्शन (वित्तीय और गैर-वित्तीय ट्रांजेक्शन सहित) की सुविधा बनी रहेगी। वे मेट्रो सिटी में दूसरे बैंक के एटीएम से तीन और नॉन- मेट्रो सिटी में पांच फ्री ट्रांजेक्शन भी कर सकेंगे। इसके अलावा बैंकों को एटीएम ट्रांजेक्शन की इंटरचेंज फीस हर फाइनेंसियल ट्रांजेक्शन 15 रुपये से बढ़ाकर 17 रुपये और नॉन-फाइनेंसियल ट्रांजेक्शन के लिए 5 से बढ़कर 6 रुपये करने की अनुमति दी गई है। आरबीआई ने कहा कि बैंकों को एटीएम लगाने की बढ़ती लागत और बैंकों/व्हाइट लेबल एटीएम ऑपरेटरों द्वारा किए गए एटीएम रखरखाव के खर्च के साथ-साथ हितधारक संस्थाओं और ग्राहक सुविधा की सहूलियत को संतुलित करने की आवश्यकता को देखते हुए शुल्क बढ़ाने की अनुमति दी गई है।

जून 2019 में आरबीआई ने एटीएम शुल्क की समीक्षा के लिए इंडियन बैंक एसोसिएशन के तत्कालीन अध्यक्ष वीजी कन्नन की अध्यक्षता में एक समिति का गठन किया था। समिति की सिफारिशों को जुलाई 2020 में सार्वजनिक किया गया था। समिति ने एटीएम शुल्क की गणना के लिए जनसंख्या एक मेट्रिक के रूप में का उपयोग करने की सिफारिश की थी। आरबीआई ने कहा कि एटीएम ट्रांजेक्शन के लिए इंटरचेंज शुल्क संरचना में अंतिम परिवर्तन अगस्त 2012 में किया गया था, जबकि ग्राहकों द्वारा देय शुल्कों को अंतिम बार अगस्त 2014 में संशोधित किया गया था। इस प्रकार इन चार्जेज को बदले गए काफी वक्त हो गया है।

आईएमएफ ने निःशुल्क टीकाकरण की घोषणा का स्वागत किया

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने सबको निःशुल्क टीका और गरीबों में मुफ्त राशन के भारत सरकार की घोषणा का स्वागत किया है, लेकिन साथ ही कोविड-19 की दूसरी लहर के मद्देनजर देश का विकास अनुमान घटाने के भी संकेत दिये हैं। आईएमएफ के संचार विभाग के सदस्य गेरी राइस ने एक ऑनलाइन मीडिया ब्रीफिंग में यह बात कही। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा, आईएमएफ सबको टीका देने की भारत सरकार की घोषणा का स्वागत करता है। साथ ही महामारी की समाज को कम कीमत चुकानी पड़े और आम लोगों को राहत मिले, इसके लिए अतिरिक्त समर्थन की भी हम तारीफ करते हैं।

अर्थव्यवस्था के बारे में श्री राइस ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर और उससे जुड़े प्रतिबंधों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था में तेज गिरावट के संकेत मिलते हैं। उन्होंने कहा, हम विश्व आर्थिक परिदृश्य के अगले महीने जारी होने वाले अपडेट में भारत के विकास अनुमान में संशोधन करेंगे।

आईएमएफ ने अप्रैल में कहा था कि वित्त वर्ष 2021-22 में भारत का विकास अनुमान 12.5 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। उसके बाद भारतीय रिजर्व बैंक ने भी देश का विकास अनुमान कम करके 9.5 प्रतिशत कर दिया है।

श्री राइस ने भारत को वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि वैश्विक और क्षेत्रीय सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में भारत की बड़ी हिस्सेदारी है इसलिए भारत के विकास और आर्थिक परिदृश्य का प्रभाव भी व्यापक है। इसके व्यापारिक संबंध और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला, खासकर दक्षिण एशिया के देशों के साथ, काफी मजबूत है। इस कारण इसका प्रभाव भी दूसरे देशों पर पड़ेगा।

लॉकडाउन के बाद लोग गोलमाल जैसी फिल्म देखना पसंद करेंगे: तुषार

निर्देशक रोहित शेट्टी की फिल्म सर्कस की शूटिंग लगभग पूरी हो चुकी है। इसके बाद रोहित अपनी अन्य सुपरहिट फ्रेंचाइजी गोलमाल के काम पर जुटेंगे। अपनी टीम के साथ वह इसके प्री-प्रोडक्शन पर जल्द ही काम शुरू कर देंगे। वैसे भी गोलमाल की अगली किश्त का दर्शकों को बेसब्री से इंतजार है और अब अभिनेता तुषार कपूर ने फिल्म से जुड़ीं अहम जानकारियां साझा की हैं। आइए जानते हैं उन्होंने इस बारे में क्या कुछ कहा।

तुषार कपूर ने हाल ही में इंडस्ट्री में 20 साल पूरे भी किए हैं। उन्होंने कहा, कोरोना काल ने सब गड़बड़ किया, वरना 2019 में गोलमाल 5 की घोषणा हुई थी। इसे इसी साल रिलीज किया जाना था, लेकिन लॉकडाउन होने की वजह से जाहिर तौर पर ऐसा नहीं हो पाया। उन्होंने कहा, हालांकि, मुझे यकीन है कि यह एक न एक दिन तो बनेगी। मेरे ख्याल से अगले साल या उसके बाद।

तुषार ने आगे कहा, लॉकडाउन के बाद लोग जरूर गोलमाल सीरीज जैसी फिल्म देखना पसंद करेंगे। वह इसलिए कि इस लॉकडाउन में समाज के हर तबके ने कठिनाइयां उठाई हैं। सब तनाव में रहें हैं। लिहाजा कोरोना खत्म होने के बाद लोग हंसी-खुशी वाले माहौल में फिर से जाना चाहेंगे, वो सब इस सीरीज से उन्हें मिलेगा। गोलमाल की पिछली किश्त में हॉरर का कॉन्सेप्ट डाला गया था। इस बार एक्शन का डोज ज्यादा रहेगा। गोलमाल सीरीज की पिछली चारों फिल्में दर्शकों की कसौटी पर खरी उतरी हैं। अब इसके पांचवें पार्ट के जरिए एक बार फिर दर्शकों को हंसी का तगड़ा डोज मिलने वाला है। गोलमाल सीरीज का पहला पार्ट 2006 में रिलीज हुआ था, जिसमें अजय देवगन, अरशद वारसी, तुषार कपूर और शरमन जोशी ने अहम भूमिका निभाई थी। 2008 में गोलमाल रिटर्न्स आई थी। तीसरा पार्ट 2010 में आया और सात साल बाद गोलमाल की चौथी फिल्म गोलमाल अगेन आई थी।

शशांक घोष की नेटफ्लिक्स की फिल्म से डिजिटल डेब्यू करेंगे रितेश देशमुख

देश में मौजूदा हालात में डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फिल्में या सीरीज देखने का प्रचलन बढ़ा है। हाल में कई फिल्मों को इस प्लेटफॉर्म पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। इसके मद्देनजर फिल्म समीक्षक और मेकर्स डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अच्छा कंटेंट बनाने में रुचि दिखा रहे हैं। अब खबर सामने आ रही है कि दिग्गज अभिनेता रितेश देशमुख नेटफ्लिक्स की फिल्म से अपना डिजिटल डेब्यू करेंगे। खबरों की मानें तो इस फिल्म को शशांक घोष निर्देशित करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, रितेश शशांक की फिल्म से डिजिटल डेब्यू कर सकते हैं। शशांक ने इससे पहले सोनम कपूर की खूबसूरत (2014) और करीना कपूर की वीरे दी वेडिंग (2018) जैसी हिट फिल्मों का निर्देशन किया है। रजत अरोड़ा ने फिल्म की पटकथा लिखी है। फिल्म को प्रोड्यूस करने की जिम्मेदारी भी उनके कंधे पर है। रजन ने किक, द डर्टी पिक्चर, एक विलेन और वन्स अपॉन ए टाइम इन मुंबई जैसी फिल्मों की पटकथा लिखी है। सूत्र की मानें तो फिल्म में रितेश के साथ एक दक्षिण भारतीय अभिनेत्री के दिखने की उम्मीद है। अभी इस फिल्म का टाइटल निर्धारित नहीं किया गया है। फिल्म की शूटिंग फरवरी में शुरू होनी थी, लेकिन लॉकडाउन के कारण इस शेड्यूल को आगे टाल दिया गया है। अब इस वेब फिल्म की शूटिंग कोरोना के कारण लगे प्रतिबंध हटने के बाद जुलाई में शुरू होने की संभावना है।

ऋतिक रोशन की डेब्यू वेब सीरीज से पीछे हटे मनोज बाजपेयी

एक्टर ऋतिक रोशन की डेब्यू वेब सीरीज ''द नाइट मैनेजर'' से मनोज बाजपेयी पीछे हट गए हैं। खबर है कि यह सीरीज टॉम हिडलेस्टन की द नाइट मैनेजर का हिंदी रीमेक है। इसके लिए मेकर्स ने मनोज बाजपेयी को हथियार डीलर रिचर्ड रोपर की भूमिका निभाने के लिए अप्रोच किया था। इस सीरीज में यह रोल ह्यूग लॉरी ने निभाया था। वहीं टॉम हिडलेस्टन ने द नाइट मैनेजर में जोनाथन पाइन का किरदार निभाया था। ऋतिक रोशन अभिनीत वेब सीरीज द नाइट मैनेजर की हिंदी

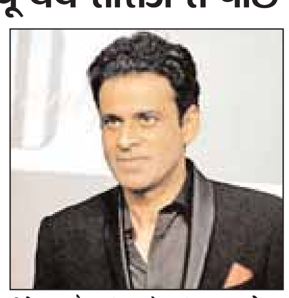

रीमेक है। जिसके लिए मनोज बाजपेयी से भी बातचीत चल रही थी। लेकिन, मनोज बाजपेयी ने इस किरदार को निभाने से इनकार कर दिया है। रिपोर्ट के मुताबिक, मनोज बाजपेयी के पास डेट्स ना होने के चलते उन्होंने इस सीरीज से जुड़ने से इनकार कर दिया है।

आज का राशिफल

मेष: खर्च में संयम रखें, क्योंकि आज धन खर्च का विशेष योग है। धन संबंधी एवं लेन-देन संबंधी सभी कार्यों में सावधानी रखने की जरूरत है। किसी के साथ विवाद न हो, इसका ध्यान रखें।

वृष: आज का दिन शुभ फलदायी है। आपकी रचनात्मक ओर कलात्मक शक्ति यों में वृद्धि होगी। मानसिक रूप से आज आप वैचारिक स्थिरता की अनुभूति करोगे, जिसके परिणामस्वरुप आप लग्न के साथ काम कर पाएंगे।

मिथुन: आज का दिन कष्टदायी होने से हर कार्य में सावधानी बरतें। परिवाजनों एवं संतानों से अनबन हो सकती है। उग्रता एवं आवेग को अंकुश में रखें ताकि बात बिगड़े नहीं।

कर्क: अज का दिन आपके लिए बहुत लाभकारी है। आपकी आय में वृद्धि होगी। किसी अन्य तरीके से भी आर्थिक लाभ होगा। मित्रों के साथ भेंट होगी। स्त्री मित्रों से विशेष लाभ मिलेगा।

सिंह: आप के व्यवसाय हेतु आज का दिन बहुत अच्छा एवं श्रेष्ठ है, ऐसा गणेशजी कहते है। उच्च पदाधिकारियों की आप पर कृपादृष्टि रहेगी।

कन्या: सगे-संबंधी के साथ प्रवास का आयोजन हो सकता है। स्त्री मित्रों से लाभ होना संभव है। धार्मिक कार्य तथा धार्मिक यात्रा में व्यस्त रहेंगे।

तुला: आज आपको नए कार्य की शुरुआत करने की सलाह गणेशजी देते है। भाषा और व्यवहार पर संयम रखना आपके हित में होगा।

वृश्चिक: आज स्वयं के लिए आप समय निकाल पाएंगे। मित्रों के साथ घूमना- फिरना, मौज- मस्ती, मनोरंजन, छोटे पर्यटन तथा भोजन और वस्त्र- परिधान इत्यादि से आप बहुत आनंदित रहेंगे।

धनु: घर में शांति और आनंद का वातावरण रहेगा, जो कि आपके मन को प्रसन्न रखेगा। नौकरी करनेवाले लोगों को नौकरी से लाभ और सहकर्मीयों से सहयोग मिलेगा।

मकर: आज आपका मन चिंताग्रस्त और दुविधायुक्त रहेगा। ऐसी मनोदशा में आप किसी भी कार्य में दृढ़ निश्चय नहीं रह पाएंगें।

कुंभ: आज आप के स्वभाव में प्रेम छलकेगा, ऐसा गणेशजी कहते हैं। इस कारण मानसिक रूप से व्यग्रता का अनुभव होगा।

मीन: आज आपका दिन शुभ फलदायी होगा, आपकी सृजनात्मक और कलात्मक शक्ति यों में वृद्धि होगी। महत्वपूर्ण निर्णय लेने के लिए आज का दिन शुभ है।

बनाएं जायकेदार कच्चे आम के रसभरे फूल

सामग्री :

- **फूलों के लिए-** 1 कप बेसन, 1/4 टीस्पून हींग, 1/2 टीस्पून अजवाइन, स्वादानुसार नमक, लाल मिर्च पाउडर, 1 टेबलस्पून ऑयल, 2 कप पानी
- **रस के लिए-** 1 टीस्पून ऑयल, 1 चुटकी हींग, 1 साबुत लाल मिर्च, 1/4 कप भुने हुए कच्चे आम की प्यूरी, 2 टेबलस्पून बेसन, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर, स्वादानुसार नमक और लाल मिर्च पाउडर, 1 टीस्पून काली सरसों, 7-8 करी पत्ते, 1/2 टीस्पून जीरा, 4 कप पानी, 2 टेबलस्पून गुड़, स्वादानुसार काला नमक
- **सजाने के लिए-** मिर्च का तड़का, करी पत्ते

विधि :

ऑयल छोड़कर फूलों की सभी सामग्री मिलाकर घोल बना लें। घोल को कड़ाही में डालें और लगातार चलाते हुए भूनें। जब घोल कड़ाही छोड़ दे तो चिकनी प्लेट पर उसकी आधा इंट मोटी परत फैला दें और सेट होने दें। सेट होने पर फूल के आकार के सांचे से काटकर गर्म तेल में तलें।

- **रस के लिए-** मिक्सी की मदद से बेसन, आम की प्यूरी, नमक, हल्दी, मिर्च पाउडर और पानी का घोल तैयार करें। पैन में तेल गर्म करें और उसमें करी पत्ते, हींग, काली सरसों, जीरा तड़काकर घोल डालें। जब घोल गाढ़ा होने लगे तो उसमें पिसा गुड़ और काला नमक डालकर 2-3 मिनट पकाएं। इस रस में बेसन के फूल डालें और तड़के व करी पत्ते से सजाकर चावल या रोटी के साथ सर्व करें।

शब्द सामर्थ्य- 107

बाएं से दाएं

1. कतार, क्रम, पांत 2. लज्जत, जायका 4. कारण, वजह 7. सुंदर प्रतीत होना, सुखद होना 8. घोड़े आदि का मल 9. अक्सर, ज्यादातर 10. चक्की में पीसना, मसलना, कुचलना 12. धनुष, फौजी टुकड़ी 13. आभूषण, जेवर 15. लहरों का चक्कर, जलावर्त, भ्रमर 17. बायां, विरुद्ध 18. गाना, नगमा 19. लाचार, विवश 22. नमन, प्रणाम 25. चौकी, थाना 26. इकरार, समझौता, ठेका 27. अधिकार होना, सामर्थ्य होना (मुहा.)।

ऊपर से नीचे

1. एक प्रदेश जिसकी राजधानी चंडीगढ़ है 2. हविर्दान के समय उच्चारित एक शब्द, भष्म 3. दन-दन करते हुए 5. बलशाली, बलवाला 6. परिवर्तित करना, पहले से भिन्न हो जाना 7. चांद, चंद्रमा, रजनीश 11. अप्रिय, अरुचिकर 14. मैं का बहुवचन 15. भंगेड़ी, भंग करने वाला, झाड़ू लगाने तथा मैला साफ करने वाला 16. मातृभूमि, स्वदेश 19. मक्खन, माखन 20. बुढ़ापा, धन, ज्वर 21. टालना, हटाना, बहाना करके हटाना 23. सीमा, हद 24. सौ का पाचंवा हिस्सा 25. घोड़े के पैरों में लगाने का लोहे का टुकड़ा, पौधे आदि का डंठल।

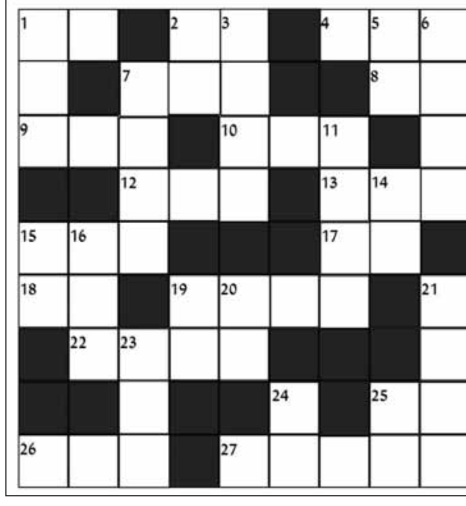

शब्द सामर्थ्य क्रमांक106 का हल

वि	ज	य	■	ब	नि	या	■	दे
वा	■	ती	त	र	■	रा	जी	व
ह	मा	म	■	स	प	ना	■	ता
■	न	■	■	■	टा	■	■	■
दा	व	त	■	वि	ना	श	■	अ
य	■	ह	त्या	■	■	ह	र्जा	ना
रा	ह	त	■	न	ज	र	■	व
■	वा	■	■	■	मी	■	ना	श्य
दु	ला	रा	■	जा	न	की	■	क

सू-दोकू- 107

	2		6		8		3	
9		8		3		4		
							5	
5		2			7		6	
	8		4			1		3
				9				
8			9				1	
	5			1		6		2
		1	7				4	

नियम

1. कुल 81 वर्ग है, जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते है।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कालम, कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र.106 का हल

2	6	3	8	1	4	9	7	5
9	5	4	2	6	7	3	1	8
8	7	1	9	3	5		6	2
6	2	7	5	4	8	4	3	9
3	9	8	6	7	1	2	5	4
4	1	5	3	2	9	6	8	7
5	3	2	4	8	6	7	9	1
1	8	6	7	9	2	5	4	3
7	4	9	1	5	3	8	2	6